



स्त्रिभिः प्रकारैरेवरक्तोक्षितोनतुस्यदेहस्यान्येनप्रहारादित्यर्थः ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ फलकेऽताड  
यदित्यन्वयः ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥